

| No.  | Title                | Author or commentator                         | Leaves | Granthas | Age         | Remarks                                                                                     |
|------|----------------------|-----------------------------------------------|--------|----------|-------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|
| 4436 | बालभारत              | अगस्त्यकवि                                    | 29     |          |             | द्र. P.L. 13-15 स.                                                                          |
| 4437 | „ व्याख्या           | सालुव. तिम्मय.                                | 86     |          |             | „ P.L. 1-4, 6 स. Old ms.                                                                    |
| 4438 | बिल्हणचरित           | (चोरकवि)                                      | 12     |          |             | द्र. P. L.                                                                                  |
| 4439 | „                    | ( „ )                                         | 14     |          |             | „ „                                                                                         |
| 4440 | वृन्दावनकाव्य        | वृन्दावन कवि                                  | 4      | 52       |             | असम. l. 13 missing.                                                                         |
| 4441 | „                    | „                                             | 2-14   |          |             |                                                                                             |
| 4442 | भट्टिकाव्य or रावणवध |                                               | 62     |          | सं. 1765    |                                                                                             |
| 4443 | „ व्याख्या-जयमङ्गल   | हरिस्वामी, गोविन्दस्वामिपुत्र, श्रीधरसेनपालित | 158    | 8,000    |             | के. P.L. Its Kerul name is भर्तृकाव्य A few leaves in the beginning and in the end injured. |
| 4444 | „ „ „                | „                                             | 312    | „        | सं. 1699    |                                                                                             |
| 4445 | भरतचरितकाव्य         | कृष्ण कवि                                     | 121    | 1,000    |             | के. P. L. 9, स. सम. स. 10, contd. द्र. P.L.                                                 |
| 4446 | भर्तृहरिशतकत्रय      | भर्तृहरि                                      | 32     |          |             |                                                                                             |
| 4447 | „                    | „                                             | 24     |          |             |                                                                                             |
| 4448 | „                    | „                                             | 32     |          |             |                                                                                             |
| 4449 | „                    | „                                             | 33     |          | सं. 1685    | ll. 6, 9-10, 17, 26, 31 missing.                                                            |
| 4450 | „                    | „                                             | 52     |          | सं. 1765    |                                                                                             |
| 4451 | „ नीतिशतक            | „                                             | 7      |          |             |                                                                                             |
| 4452 | „ „                  | „                                             | 9      |          |             | के. P. L.                                                                                   |
| 4453 | „ शृङ्गारशतक         | „                                             | 7      |          | सं. 1777    |                                                                                             |
| 4454 | „ „                  | „                                             | 2      |          |             | असम.                                                                                        |
| 4455 | „ वैराग्यशतक         | „                                             | 12     |          |             | द्र. P.L.                                                                                   |
| 4456 | „ „                  | „                                             | 10     |          |             |                                                                                             |
| 4457 | „ „                  | „                                             | 12     |          | सं. 1865    |                                                                                             |
| 4458 | „ „                  | „                                             | 26     |          | सं. 1611(?) |                                                                                             |
| 4459 | „ „                  | „                                             | 40     |          |             |                                                                                             |
| 4460 | „ „                  | „                                             | 18     |          | सं. 1140(?) |                                                                                             |
| 4461 | „ „                  | „                                             | 9      |          |             | असम.                                                                                        |
| 4462 | „ „                  | „                                             | 2      |          |             | „                                                                                           |
| 4463 | „ व्याख्या (नीतिशतक) | „                                             | 15     |          |             |                                                                                             |

| No.  | Title                                             | Author or commentator                             | Leaves  | Granthas | Age      | Remarks                                             |
|------|---------------------------------------------------|---------------------------------------------------|---------|----------|----------|-----------------------------------------------------|
| 4464 | भर्तृहरिशतकत्रय-शृङ्गारशतक व्याख्या-शृङ्गारदीपिका | कौमुदीवल्लभभूष                                    | 41-50   |          |          | द्र. P. L. 79-100 श्लो. व्याख्या                    |
| 4465 | भर्तृहरिशतकत्रय व्याख्या                          | घनसार सिद्ध-सूरि शिष्य                            | 52      | 1,500    |          | श. 1, सम. श. 2, contd. Se. D. 12108.                |
| 4466 | „ „ वैराग्यशतक                                    | „                                                 | 42      |          |          | I. O. 4001. असम.                                    |
| 4467 | „ „ „                                             | ( „ )                                             | 49      |          |          |                                                     |
| 4468 | „ „ „                                             |                                                   | 51      |          |          |                                                     |
| 4469 | „ „ „                                             |                                                   | 24      |          |          | के. P. L.                                           |
| 4470 | भल्लटशतक                                          |                                                   | 30      |          |          |                                                     |
| 4471 | भामिनीविलास                                       | जगन्नाथ                                           | 20      |          |          |                                                     |
| 4472 | „                                                 | „                                                 | 27      |          |          | Copy from Calcutta Skt. college. Copy from Alwar.   |
| 4473 | „                                                 | „                                                 | 52      |          |          | असम.                                                |
| 4474 | „                                                 | „                                                 | 8       |          |          | Copy from Madras                                    |
| 4475 | „ व्याख्या                                        | „                                                 | 187     |          |          | G. O. L.                                            |
| 4476 | „ „                                               |                                                   | 68      |          |          | Copy from Alwar.                                    |
| 4477 | „ „ विलास-प्रदीपिका                               | रामवर्मा                                          | 107     |          |          | Copy from Calcutta Skt. college. 29 श्लो.           |
| 4478 | „ „                                               |                                                   | 8       |          |          | 6-9 स. ll. 7-21 missing. Injured                    |
| 4479 | भावप्रकाश                                         | कुवेरानन्द                                        | 6-45    |          |          |                                                     |
| 4480 | भावशतक                                            | नारायण                                            | 16      |          |          |                                                     |
| 4481 | भिक्षाटनकाव्य                                     | शिवभक्तदास or उत्प्रेक्षावल्लभ                    | 75      | 1,000    | सं. 1661 | के. P.L. Up to भूति प्रेषण-पद्धति.                  |
| 4482 | मणिमञ्जरी with व्याख्या                           | नारायण पण्डिताचार्य, मू. विट्ठलाचार्य व्या. भायिल | 73      |          |          | न. ना. P.L.                                         |
| 4483 | मदनबोधिनोकथा                                      |                                                   | 2-37    |          |          | 4. परिच्छेद सम परिच्छेद 5 contd. ll. 11-19 missing. |
| 4484 | मदनमुखचपेटिका                                     | लक्ष्मीनारायणशर्मा                                | 13      |          |          |                                                     |
| 4485 | मधुराविजयकाव्य or कम्परायचरित                     | गङ्गादेवी                                         | 119-166 |          |          | द्र. P.L. 1-7, स. Injured.                          |

| No.  | Title                            | Author or commentator                                 | Leaves   | Granthas | Age      | Remarks                                                      |
|------|----------------------------------|-------------------------------------------------------|----------|----------|----------|--------------------------------------------------------------|
| 4486 | मध्वविजय                         | नारायण पण्डिताचार्य                                   | 30-45    |          |          | न. ना. P.L. 11-15, स.                                        |
| 4487 | „ व्याख्या-पदार्थ-प्रकाशिका      | आनन्दतीर्थ, नृसिंहसूनु                                | 71       | 3,000    |          | न. ना. P. L. 7-11, स.                                        |
| 4488 | „ „ „                            | „                                                     | 18+14-25 | 500      |          | न. ना. P. L. 1-3, स.                                         |
| 4489 | „ „                              | विश्वपतितीर्थ                                         | 49       | 1,000    |          | „ „ P.L. 16, 10, 8 and 7, स.                                 |
| 4490 | „ „ मन्दोप-कारिणी & सदर्भ-दीपिका | शेषाचार्य & पञ्चपति यति                               | 32-118   |          |          | न. ना. P.L. 10-14, स.                                        |
| 4491 | „ व्याख्या                       |                                                       | 24-88    |          |          | न. ना. P. L. 8-10, स.                                        |
| 4492 | मयूरसन्देश                       |                                                       | 33       |          |          | के. P.L. Se. R. 2963.                                        |
| 4493 | महिषशतक with व्याख्या            | वाञ्छेश्वर (मू.) (व्या.), By his grand son वीरणाराध्य | 49       | 1,200    |          | द्र. P. L.                                                   |
| 4494 | माररहस्यपञ्चरत्न                 |                                                       | 1        |          |          |                                                              |
| 4495 | मारुतसन्देश                      |                                                       | 34-68    |          |          | के. P.L. Se. R. 2964.                                        |
| 4496 | मुकुन्दमुक्तावली                 | (रूपगोस्वामी)                                         | 3        | 30       | सं. 1848 | I. O. 3895, 3898.                                            |
| 4497 | मुद्रलार्थ with मराठी व्याख्या   | मुद्रल, (मू.) नरहरि व्या.                             | 20       |          |          |                                                              |
| 4498 | „ with व्याख्या                  |                                                       | 31       | 1,200    |          | द्र. P. L.                                                   |
| 4499 | मुद्राराक्षसकथासार               |                                                       | 18       | 300      |          | „ „                                                          |
| 4500 | „                                |                                                       | 10       |          |          | „ „                                                          |
| 4501 | मुद्राराक्षसकाव्य                | विद्याराज महामात्य                                    | 87       | 2,000    |          | 19, स. सम. स. 20; contd.                                     |
| 4502 | मेघदूत or मेघसन्देश              | कालिदास                                               | 25       |          | सं. 1692 |                                                              |
| 4503 | „                                | „                                                     | 25       |          | सं. 1647 | with टिप्पणी.                                                |
| 4504 | „                                | „                                                     | 14       |          |          |                                                              |
| 4505 | „ व्याख्या                       | मणिनाथ                                                | 61       |          | सं. 1882 |                                                              |
| 4506 | „ „                              | „                                                     | 56       |          | सं. 1890 |                                                              |
| 4507 | „ „                              | „                                                     | 21, 17   |          |          | 40 श्लो. 2 mss. The commentator of the 2nd ms. is not known. |
| 4508 | „ „                              | „                                                     | 5        |          |          | असम.                                                         |
| 4509 | „ विग्रह                         | वल्लभदेव                                              | 19       | 800      |          | Injured.                                                     |

| No.  | Title                                   | Author or commentator                         | Leaves | Granthas | Age      | Remarks                                                  |
|------|-----------------------------------------|-----------------------------------------------|--------|----------|----------|----------------------------------------------------------|
| 4510 | मेघदूतव्याख्या                          | पूर्णसरस्वती                                  | 92     | 2,500    |          | के. P. L.                                                |
| 4511 | „ „                                     | श्रीकण्ठ & श्रीकण्ठशिष्य                      | 4      | 200      |          | असम.                                                     |
| 4512 | „ „ सुबोधिनो पञ्जिका                    |                                               | 3-40   |          | सं. 1678 | ll. 20-22 missing. Peters 5; 372.                        |
| 4513 | „ „ विवृति                              | समयसुन्दरगणि                                  | 16     |          |          | 50, श्लो.                                                |
| 4514 | „ „                                     |                                               | 3-47   |          |          | Another than विवृति सजीविनी & of वल्लभदेव. Much injured. |
| 4515 | „ „                                     |                                               | 61     |          | सं. 1907 |                                                          |
| 4516 | यमकभारत                                 | आनन्दतीर्थ                                    | 5      |          |          |                                                          |
| 4517 | „                                       | „                                             | 3      |          |          | न. ना. P.L.                                              |
| 4518 | यादवराघवीय or राघवयादवीय with व्याख्या  | वेङ्कटाचार्य मू. & व्या.                      | 33     |          |          | द्र. P. L. पूर्वार्ध.                                    |
| 4519 | „                                       | „                                             | 39     |          |          |                                                          |
| 4520 | युधिष्ठिरविजय with व्याख्या विजयदर्शिका | वासुदेव परम-शिवयोगी, मू. अच्युत व्या. कालिदास | 138    |          |          | के. P. L. 8, आ.                                          |
| 4521 | रघुवंश                                  |                                               | 111    |          | सं. 1900 |                                                          |
| 4522 | „                                       | „                                             | 87     |          | सं. 1959 | ll. 11, 17-26 missing.                                   |
| 4523 | „                                       | „                                             | 130    |          | सं. 1882 |                                                          |
| 4524 | „                                       | „                                             | 135    |          | सं. 1907 | ll. 2-7, 9, 16-19, 119 missing.                          |
| 4525 | „                                       | „                                             | 3-70   |          |          | 18, स. 1. 17 and some last leaves also missing.          |
| 4526 | „                                       | „                                             | 8-80   |          | सं. 1846 | ll. 28-31 missing.                                       |
| 4527 | „                                       | „                                             | 41     |          |          | 9, स.                                                    |
| 4528 | „                                       | „                                             | 36     |          |          | 1-8, स.                                                  |
| 4529 | „                                       | „                                             | 28     |          |          | 5, स. सम. स. 6, contd.                                   |
| 4530 | „                                       | „                                             | 20     |          |          | Stray leaves                                             |
| 4531 | „                                       | „                                             | 22     |          |          | „ of 2, 4 & 5 स.                                         |

| No.  | Title                    | Author or commentator        | Leaves            | Granthas | Age      | Remarks                                                                                                                                                                       |
|------|--------------------------|------------------------------|-------------------|----------|----------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 4532 | रघुवंश                   | कालिदास                      | 10                |          |          | स. 2, 20, श्लो.                                                                                                                                                               |
| 4533 | " व्याख्या               | मल्लिनाथ                     | 2-47              |          | सं. 1896 | ll. 19-80, missing.                                                                                                                                                           |
| 4534 | " "                      | "                            | 178               |          | सं. 1737 | ll. 2, 123-134 missing.                                                                                                                                                       |
| 4535 | " "                      | "                            | 54                |          |          | dr. P. L. 1-4 स. Old ms.                                                                                                                                                      |
| 4536 | " "                      | "                            | 121               | 2,500    |          | " " स. 1-3, 5-11, 14-19.                                                                                                                                                      |
| 4537 | " "                      | "                            | 88                | 2,000    |          | " " स. 1-2, 4-5.                                                                                                                                                              |
| 4538 | " "                      | "                            | 2-45              |          |          | " " स. 1-3.                                                                                                                                                                   |
| 4539 | " "                      | ( " )                        | 13                |          |          | स. 2. 1. 12, missing.                                                                                                                                                         |
| 4540 | " "                      | ( " )                        | 17                |          |          | स. 3.                                                                                                                                                                         |
| 4541 | " " अद्वैतसुधा           | लक्ष्मण पण्डित, दत्तसूरि सुत | 393               | 2,000    |          | The commentator may be the same as the योगचिन्तामणिकर्ता medicine, विश्वविख्यातनागेश नारायणसमाह्वयौ । मत्वावमत्तनासत्या-वतुलौ नौमि मातुलौ ॥ के. P. L. 4-19, स. स. 6-8, 14-17. |
| 4542 | " "                      | अरुणगिरिनाथ                  | 47-144            |          |          |                                                                                                                                                                               |
| 4543 | " " दीपिका or शिशुबोधिनी | कृष्ण भट्ट                   | 88-136<br>216-262 |          |          | With प्रशस्ति. ll. 18, 205-216, 225 missing.                                                                                                                                  |
| 4544 | " " शेषार्थ-बोधिका       | गुणविजयगणि                   | 228               |          |          | स. 2-7. Written by different hands ll. 3-4, 21-47, 87-93, 127, 129, 136, 173-178, 190, 192-193 missing. Pagination inaccurate. l. 4, missing.                                 |
| 4545 | " "                      | धर्मगणि                      | 2-194             |          |          |                                                                                                                                                                               |
| 4546 | " " अर्धालापिका          | समयसुन्दरगणि                 | 89                | 7,500    | सं. 1881 |                                                                                                                                                                               |
| 4547 | " " "                    | "                            | 261               | "        | सं. 1874 |                                                                                                                                                                               |
| 4548 | " "                      | नारायण                       | 181               | 8,000    |          | के. P. L.                                                                                                                                                                     |
| 4549 | " "                      | महेश्वर                      | 90                | 1,800    |          | " " स. 3-4, 2, & 1-4. All are incomplete.                                                                                                                                     |
| 4550 | " "                      | दक्षिणावर्तनाथ               | 122               | 2,500    |          | के P. L. Old ms.                                                                                                                                                              |
| 4551 | " " रघुवंश-ख्यातदीपिका   | श्रीकण्ठ & श्रीकण्ठशिष्य     | 24-95             | 4,000    |          | " "                                                                                                                                                                           |
| 4552 | " "                      | मञ्जुभट्ट                    | 21-6              | 500      |          | dr. P. L.                                                                                                                                                                     |

| No.  | Title                     | Author or commentator        | Leaves | Granthas | Age      | Remarks                                                                                   |
|------|---------------------------|------------------------------|--------|----------|----------|-------------------------------------------------------------------------------------------|
| 4553 | रघुवंशव्याख्या            | वज्रभदेव                     | 32-94  |          |          | 5-9, स. ll. 38, 40-41, 43, 50, 54-55, 57, 71-72, 74-77, 79, 81, 83-84, 86, & 89, missing. |
| 4554 | " "                       | धर्मसूरि                     | 12     |          |          | स. 4.                                                                                     |
| 4555 | " " पदार्थ-दीपिका         |                              | 22     | 300      |          | dr P. L. स. 6-7.                                                                          |
| 4556 | रघुवीरचरित                |                              | 86     | 1,700    |          | Injured. के. P. L. 17, स. Fine script.                                                    |
| 4557 | रघूदयकाव्य                | श्रीकण्ठकवि                  | 110    | 1,000    |          | के. P. L. 8, आ. Fine script.                                                              |
| 4558 | " व्याख्या-पदार्थ-दीपिका  | रुद्रमिश्र                   | 133    | 4,500    |          | के P. L. 1. 1 broken.                                                                     |
| 4559 | रसाब्धिकाव्य              | देवकीनन्दन                   | 4-52   |          |          | असम. ll. 7-19, 25-47. missing.                                                            |
| 4560 | राक्षसकाव्य with व्याख्या | रविदेव व्या.                 | 6      |          | सं. 1899 |                                                                                           |
| 4561 | " "                       | " "                          | 6      |          |          |                                                                                           |
| 4562 | " "                       | प्रेमधर "                    | 11     |          |          |                                                                                           |
| 4563 | " "                       |                              | 5      |          |          |                                                                                           |
| 4564 | " "                       | महादेव "                     | 6      |          |          | असम. 13, श्लो. व्याख्या, सम.                                                              |
| 4565 | राघवपाण्डवीय              | कविराज                       | 2-43   |          | सं. 1552 |                                                                                           |
| 4566 | " -व्याख्या               | शशिधर                        | 197    |          | सं. 1897 | l. 1 missing.                                                                             |
| 4567 | " "                       | रामचन्द्र                    | 71     |          |          | वङ्ग. P. L. Much injured.                                                                 |
| 4568 | राघवीयकाव्य               |                              | 51     |          |          | के P. L. 11-12, स. Old ms.                                                                |
| 4569 | राजतरङ्गिणी               | कल्हण                        | 289    |          |          |                                                                                           |
| 4570 | "                         | "                            | 50     |          |          | शारदा. 4, तरङ्ग सम. तरङ्ग 5, contd.                                                       |
| 4571 | राधाविनोद                 | रामचन्द्र कवि, पुरुषोत्तमसुत | 6      |          |          |                                                                                           |
| 4572 | " व्याख्या                | नारायण                       | 7      |          | सं. 1907 |                                                                                           |
| 4573 | " "                       | "                            | 10     |          |          |                                                                                           |
| 4574 | राधारससुधानिधि            | हितहरिवंश                    | 58-79  | 270      |          |                                                                                           |
| 4575 | "                         | "                            | 28     | "        | सं. 1917 |                                                                                           |

| No.  | Title                                               | Author or commentator                            | Leaves      | Granthas | Age      | Remarks                                                                                                                                                                                                 |
|------|-----------------------------------------------------|--------------------------------------------------|-------------|----------|----------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 4576 | रामकृष्णविलोमकाव्य with व्याख्या                    | सूर्यकवि मू. & व्या.                             | 9           |          |          | Printed in Kavyamālā                                                                                                                                                                                    |
| 4577 | "                                                   | "                                                | 9           |          | सं. 1882 |                                                                                                                                                                                                         |
| 4578 | "                                                   | "                                                | 11          |          |          |                                                                                                                                                                                                         |
| 4579 | "                                                   | "                                                | 16          |          | सं. 1883 |                                                                                                                                                                                                         |
| 4580 | "                                                   | "                                                | 16          |          |          |                                                                                                                                                                                                         |
| 4581 | रामविजय काव्य                                       | अरुणाचलनाथ                                       | 16-151      |          |          | के. P.L. 8, स. सम. 11. 20-70, 72, 74-83, 85-86, 88-96 missing. के P.L. Much injured. " " Printed in Kāvya-Mālā. Still requires an edition. I.O. says that Author's name is भट्ट बोध and C.C. says भामक. |
| 4582 | रामायणकथा                                           |                                                  | 40          | 300      |          |                                                                                                                                                                                                         |
| 4583 | रावणार्जुनीय or अर्जुनरावणीय                        | भट्टबोस or भट्टभीम                               | 78          | 2,800    |          |                                                                                                                                                                                                         |
| 4584 | रासविलास                                            | नारायण कवि                                       | 84          |          |          | के. P.L. 3 स. स. 7.                                                                                                                                                                                     |
| 4585 | रुक्मिणीशविजय-काव्य with व्याख्या                   | वादिराज मू. & व्या.                              | 33          |          |          |                                                                                                                                                                                                         |
| 4586 | " " गुरुभाष प्रकाशिका                               | नारायणपण्डित, लक्ष्मीपति भट्टोपाध्यायपुत्र व्या. | 41-104      |          |          | स. 3-5, सम. स. 6, contd.                                                                                                                                                                                |
| 4587 | " "                                                 | "                                                | 53          |          |          | 7-9, स.                                                                                                                                                                                                 |
| 4588 | लक्ष्मीसरस्वतीविवाद                                 | "                                                | 4           | 34       |          | कवीन्द्र ms.                                                                                                                                                                                            |
| 4589 | लघुजगद्विजयिच्छन्द with टीका & बृहज्जगद्विजयिच्छन्द | कवीन्द्राचार्य मू. & व्या.                       | (3+9+41) 53 |          |          |                                                                                                                                                                                                         |
| 4590 | लौकिकन्यायसङ्ग्रह                                   | रघुनाथ वर्मा, रामदयालु शिष्य                     | 121         | 3,000    | सं. 1897 | Printed in the Pandit.                                                                                                                                                                                  |
| 4591 | वसन्तविलास                                          | रामचन्द्र दीक्षित                                | 86          | 1,600    |          | द्र. P.L. 13 स. सम. स. 14 contd.                                                                                                                                                                        |
| 4592 | वसन्ताष्टक                                          | प्रेमनाथ                                         | 1           |          |          |                                                                                                                                                                                                         |
| 4593 | वाग्भूषणशतक or वाग्भूषणकाव्य with व्याख्या          | रामचन्द्र मू. & व्या.                            | 24          |          | सं. 1899 |                                                                                                                                                                                                         |

| No.  | Title                          | Author or commentator                     | Leaves | Granthas | Age       | Remarks                                                                           |
|------|--------------------------------|-------------------------------------------|--------|----------|-----------|-----------------------------------------------------------------------------------|
| 4594 | वाग्भूषणशतक with व्याख्या      | रामचन्द्र मू. & व्या.                     | 28     |          |           |                                                                                   |
| 4595 | "                              | "                                         | 24     |          | सं. 1888  |                                                                                   |
| 4596 | "                              | "                                         | 24     |          |           |                                                                                   |
| 4597 | "                              | "                                         | 14     |          |           | 54, श्लो. के. P. L. 1-3, स. द. P.L. The author refers to जैमिनि जैमिनि ना कृतमपि. |
| 4598 | वासुदेवविजय                    | नारायण                                    | 18     |          |           |                                                                                   |
| 4599 | विक्रमार्कचरित                 |                                           | 6      |          |           |                                                                                   |
| 4600 | विदग्धमुखमण्डन                 | धर्मदास                                   | 19     |          | सं. 1809  |                                                                                   |
| 4601 | "                              | "                                         | 14     |          |           | द्र. P. L.                                                                        |
| 4602 | " व्याख्या-श्रवण-भूषण          | नरहरि                                     | 29     |          | सं. 1801  | 1. 27. missing. जयन्त is also mentioned in colophons as the commentator.          |
| 4603 | " "                            | आनन्दराज                                  | 24     |          | सं. 1683  | Injured.                                                                          |
| 4604 | " " विद्वन्मनोहरा              | ताराचन्द्र                                | 95     |          |           | 11. 24, 62-71 missing. द. P. L.                                                   |
| 4605 | " विवरण                        |                                           | 28     |          |           |                                                                                   |
| 4606 | विद्वन्मोदतरङ्गिणी             | चिरञ्जीवभट्टाचार्य                        | 34     |          | सं. 1851  |                                                                                   |
| 4607 | "                              | "                                         | 32     |          | सं. 1801  | 125 missing                                                                       |
| 4608 | विधवासिन्दूराष्टक              | लक्ष्मीनारायण                             | 1      |          |           |                                                                                   |
| 4609 | विलासाष्टक                     | "                                         | 1      |          |           |                                                                                   |
| 4610 | विष्णुविलासकाव्य               | रामपाणिनाद                                | 89     |          |           | के. P.L. 8, स. द. P. L.                                                           |
| 4611 | वेदान्तदेशिकचरित with व्याख्या |                                           | 10     | 150      |           | स. 1, 65, श्लो. 17, स. 11. 9-17 missing. के. P.L. 9, अ. आ. P. L. 6, अ.            |
| 4612 | शङ्करदिग्विजयसार               | सदानन्द                                   | 3-132  |          | सं. 1836  |                                                                                   |
| 4613 | शङ्कराचार्यचरित                | गोविन्दनाथ                                | 47     | 500      |           |                                                                                   |
| 4614 | शङ्कराभ्युदय with व्याख्या     | राजचूडामणि दीक्षित मू. रामकृष्णसूरि व्या. | 99     | 2,200    |           |                                                                                   |
| 4615 | शरभोजीराजवृत्तम्               | शेषादि                                    | 24     | 165      | कलि. 4907 | द्र. P. L. Injured. Copy of the above ms.                                         |
| 4616 | "                              | "                                         | 18     |          |           |                                                                                   |
| 4617 | शान्तिविलास                    | नीलकण्ठदीक्षित                            | 5      | 26       |           | द्र. P. L.                                                                        |

| No.  | Title                       | Author or commentator | Leaves    | Granthas | Age      | Remarks                                             |
|------|-----------------------------|-----------------------|-----------|----------|----------|-----------------------------------------------------|
| 4618 | शान्तिविलास                 | नीलकण्ठदीक्षित        | 6         |          |          | द्र. P.L.                                           |
| 4619 | शिवाष्टपदी with व्याख्या    |                       | 5         |          |          | " " असम.                                            |
| 4620 | शिशुपालवध                   | माघ                   | 95        |          | सं. 1760 |                                                     |
| 4621 | "                           | "                     | 138       |          |          |                                                     |
| 4622 | "                           | "                     | 53        |          |          | जैन.Script.                                         |
| 4623 | "                           | "                     | 14-115    |          | सं. 1690 |                                                     |
| 4624 | "                           | "                     | 36        |          |          | के.P.L.1-11<br>स. Fine script.                      |
| 4625 | "                           | "                     | 49;77-124 |          |          | स. 1-5, 2, mss. l. 1 missing. ll. 105-123, missing. |
| 4626 | "                           | "                     | 125-135   |          |          | स.17, असम.                                          |
| 4627 | " व्याख्या                  | महिनाथ                | 436       |          |          | 13, स. सम. स.14, contd. Injured.                    |
| 4628 | " "                         | "                     | 49-244    | 3,000    |          | द्र. P.L. 2-4, 11-19, स. ll. 98-141 missing.        |
| 4629 | " "                         | "                     | 161       | 3,500    |          | द्र. P.L. 1-8, स.                                   |
| 4630 | " "                         | "                     | 31        |          |          | " " 15-16 स.                                        |
| 4631 | " "                         | "                     | 39        | 800      |          | " " स. 2.                                           |
| 4632 | " "                         | "                     | 16        |          |          | आं. " स. 3.                                         |
| 4633 | " सन्देह-विषौषधी            | वल्लभदेव              | 396       | 10,000   |          |                                                     |
| 4634 | " " "                       | "                     | 218       |          | सं. 1916 | 9, स. सम.                                           |
| 4635 | " " "                       | "                     | 117       |          |          | 3, स. सम. स. 4, contd. ll. 1-5, 20-29, 69 missing.  |
| 4636 | " " "                       | "                     | 19-291    |          |          | असम. ll. 28, 38-103, 129-287, 290 missing           |
| 4637 | " " हसन्ती                  | गोपाल                 | 13 + 16   |          |          | 8-9, स. स. 10, Injured.                             |
| 4638 | " " "                       | "                     | 16        |          |          | वज्र. 6, स.                                         |
| 4639 | " " शिशुबोधिनी              | महेस्वर शर्मा         | 98        | 3,000    |          |                                                     |
| 4640 | शुकरम्भासंवाद or तत्त्वमाला |                       | 3         |          |          |                                                     |

| No.  | Title                                   | Author or commentator                    | Leaves   | Granthas | Age      | Remarks                                  |
|------|-----------------------------------------|------------------------------------------|----------|----------|----------|------------------------------------------|
| 4641 | शुकरम्भासंवाद                           |                                          | 4-6      |          |          | असम.                                     |
| 4642 | शुक्सन्देश                              |                                          | 40       |          |          | के. P.L. Much injured.                   |
| 4643 | शुक्सन्देशकाव्य with व्याख्या-वरवर्णिनी | लक्ष्मीधर मू.                            | 117      | 1,800    |          | " " 13, उच्छ्वास, सम. Injured.           |
| 4644 | शृङ्गारकलिका                            | कामराज                                   | 8        |          |          | See Kāvya-mālā.                          |
| 4645 | "                                       | "                                        | 1,3,4,6. |          |          | Stray leaves.                            |
| 4646 | शृङ्गारचाटु                             |                                          | 1        | 15       |          | द्र. P. L.                               |
| 4647 | शृङ्गारतिलक                             | कालिदास                                  | 4        |          |          |                                          |
| 4648 | "                                       | "                                        | 4        |          | स. 1911  |                                          |
| 4649 | "                                       | "                                        | 6        |          |          |                                          |
| 4650 | शौरिकथाव्याख्या-तत्त्वप्रकाशिका         | वासुदेव मू. नीलकण्ठ ईशानसूनु व्या. शङ्कर | 105      |          |          | के. P.L. 6, आ. यमक-काव्य.                |
| 4651 | श्रीकृष्णविजय                           |                                          | 122      | 1,500    |          | " " 12, स. l. 1 missing.                 |
| 4652 | श्रीपादसप्तति                           | नारायणपुत्र                              | 84-105   |          |          | के. P.L.                                 |
| 4653 | श्लोकसङ्ग्रह                            | मणिराम                                   | 122      |          | सं. 1850 | असम. ll. 57-58 missing. Injured. Old ms. |
| 4654 | " (रामवर्णनपत्र)                        |                                          | 7        |          |          |                                          |
| 4655 | षड्भुवर्णन                              |                                          | 2        | 19       |          |                                          |
| 4656 | संसारविहारकाव्य                         | हिमकर                                    | 2        | 20       |          |                                          |
| 4657 | सङ्क्षेपभारत                            | वासुदेव कवि                              | 23-56    | 500      |          | के. P.L. 5, स.                           |
| 4658 | सङ्क्षेपरामायणकाव्य                     | "                                        | 11       |          |          | " " 3, "                                 |
| 4659 | "                                       | "                                        | 57-65    |          |          | " " " "                                  |
| 4660 | सङ्ग्रहत्रय                             | (वेङ्कटाचार्य)                           | 19       |          |          | द्र. P.L.                                |
| 4661 | सङ्ग्रहरामायण                           | नारायणपण्डित                             | 125      | 3,000    |          | असम.                                     |
| 4662 | "                                       | "                                        | 154      |          |          | न. ना. P.L.                              |
| 4663 | "                                       | "                                        | 63       |          |          | ll. 81-98 missing.                       |
| 4664 | " व्याख्या                              | श्रीपतियति                               | 150      | 2,000    |          | न. ना. P. L. Upto 1-3, कां. स. 4.        |
| 4665 | " चन्द्रिका                             |                                          | 17       |          |          | न. ना. P. L. 1-3, कां. कां 5, असम.       |
| 4666 | सङ्ग्रहश्लोक                            |                                          | 41       | 775      |          | ll. 1-8 missing.                         |

| No.  | Title                                             | Author or commentator                              | Leaves   | Granthas | Age              | Remarks                                                                        |
|------|---------------------------------------------------|----------------------------------------------------|----------|----------|------------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| 4667 | सत्पद्यमुक्तावली                                  | सुकुन्द, पुष्प-<br>स्तम्भनिवासी                    | 202      |          | सं. 1879         |                                                                                |
| 4668 | सत्यनाथाम्युदय<br>with व्याख्या                   | सङ्कर्षण मू.<br>सुब्रह्मण्याचार्य व्या.            | 181 + 18 |          |                  | 8, स, सम. ll.<br>22-24, 81,<br>106-131 &<br>7, missing.<br>के. P.L.            |
| 4669 | सभारजनशतक                                         | नीलकण्ठदीक्षित                                     | 131-140  |          |                  | ll. 3-4, 8,<br>9 missing,<br>and two<br>stray leaves<br>with व्याख्या.         |
| 4670 | सभ्याभरण                                          | रामचन्द्र                                          | 2-11     |          |                  | 9 उच्छ्वास.                                                                    |
| 4671 | „ व्याख्या-<br>रश्मिमाला                          | गोविन्द                                            | 91       |          | D. C.<br>श. 1562 |                                                                                |
| 4672 | सभ्यालङ्कार                                       | गोपाल,<br>गङ्गाधरपुत्र                             | 3        |          |                  | 5, परिच्छेद                                                                    |
| 4673 | सम्यक्त्वकौमुदी                                   | धर्मकीर्ति                                         | 53       |          | सं. 1757         | ll. 1-3, 6,<br>33-52<br>missing.                                               |
| 4674 | साधुसुमनश्चन्द्रिका-<br>गोरक्षखण्ड<br>वैराग्यखण्ड | पण्डरिनाथ                                          | 52, 48   |          | सं. 1938         | 16, 16, कला.                                                                   |
| 4675 | „ शङ्करखण्ड                                       | „                                                  | 114      |          | सं. 1937         | 40, कला.                                                                       |
| 4676 | „ गुरुखण्ड                                        | „                                                  | 176      |          | सं. 1937         | 61, „                                                                          |
| 4677 | „ निर्वाणखण्ड &<br>उत्तरपीठिका                    | „                                                  | 68, 24   |          | सं. 1938         | 22, 6, „                                                                       |
| 4678 | सिद्धार्थचरित                                     |                                                    | 8        |          |                  | द्र. P.L. 5-7<br>स. Much<br>injured.<br>ll. 1-10, 21,<br>35-38, 41<br>missing. |
| 4679 | सीतारामविहार                                      | लक्ष्मणसोमयाजी,<br>ओर्गण्टि शङ्कर-<br>सोमयाजिपुत्र | 11-47    |          |                  | के. P.L. 12<br>स. सम. स. 13,<br>contd.                                         |
| 4680 | सुभद्राहरण with<br>व्याख्या व्याकर-<br>णोदाहरण    | नारायण कवि<br>ब्रह्मदत्त तनय                       | 133      | 6,000    |                  | के. P.L. 2-6<br>स. स. 7,<br>contd.<br>के. P.L. 6-9 स.                          |
| 4681 | „ „                                               | „                                                  | 97       | 5,000    |                  | द्र. P. L.                                                                     |
| 4682 | „ „                                               | „                                                  | 68       |          |                  | 31, मुक्तामणि,<br>1.5 missing.                                                 |
| 4683 | सुभाषित                                           |                                                    | 28       | 600      |                  |                                                                                |
| 4684 | सुभाषितमाला                                       | लक्ष्मीनारायण,<br>कृष्णापुरग्रामवासी               | 13       | 186      |                  |                                                                                |
| 4685 | सुभाषितमुक्तावली                                  |                                                    | 26       | 750      | सं. 1788         |                                                                                |
| 4686 | सुभाषितरत्नावली                                   | श्रीसकलकीर्ति                                      | 32       |          | सं. 1730         |                                                                                |

| No.   | Title                                             | Author or commentator           | Leaves | Granthas | Age | Remarks                                                                                                                                                                                                                                      |
|-------|---------------------------------------------------|---------------------------------|--------|----------|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 4687  | सुभाषितसङ्ग्रह                                    |                                 | 10     |          |     | द्र. P.L. Injured.                                                                                                                                                                                                                           |
| 4688  | सुभाषितावली                                       | सुमति                           | 20     | 225      |     | I.O. 4033.                                                                                                                                                                                                                                   |
| 4689  | सुरेन्द्रचरित                                     |                                 | 127    | 1,250    |     | के. P.L. 10, स.                                                                                                                                                                                                                              |
| 4690  | सूक्तावली                                         |                                 | 14     | 174      |     |                                                                                                                                                                                                                                              |
| 4691  | सूक्तिमुक्तावली                                   | लक्ष्मण पण्डित                  | 76     |          |     | ll. 2-3, 48, 63-70<br>72-75 missing<br>द्र. P.L.                                                                                                                                                                                             |
| 4692  | सूर्यशतक or मयूर<br>शतक with<br>व्याख्या          | गौपाल<br>नरसिंहपुत्र व्या.      | 100    | 1,500    |     |                                                                                                                                                                                                                                              |
| 4693  | „ with व्याख्या                                   |                                 | 46     |          |     | „ „ 98 श्लो.                                                                                                                                                                                                                                 |
| 4694  | सेतुबन्ध with<br>व्याख्या-सेतु                    | प्रवरसेन मू.<br>माधवमिश्र व्या. | 136    | 2,700    |     | के. P.L.                                                                                                                                                                                                                                     |
| 4695  | स्वप्नवृन्दावनाख्यान<br>or वादिराजचरित            | वागीशतीर्थ                      | 32     |          |     | 17 अ.                                                                                                                                                                                                                                        |
| 4696  | हयग्रीववध                                         |                                 | 7      |          |     | के. P.L. असम.                                                                                                                                                                                                                                |
| 4697  | हरविलास                                           | लोलिम्बरज                       | 2-11   |          |     |                                                                                                                                                                                                                                              |
| 4698  | .....काव्य                                        |                                 | 128    | 600      |     | „ „ Begins with<br>अथ द्वितीयाध्यायोदा-<br>हरणरूपं द्वितीयसर्ग-<br>मारभते । श्लो<br>शूरात्मजोय सुमह-<br>त्तरभाग्यभूमा,<br>छायात्तवालवपुषं<br>परिगृह्यदेवम् ।<br>शून्यालयाजिगमिषुः<br>प्रतिनन्दगेहं<br>यावद्बभूव निगलो<br>व्यगलत् पदाभ्याम् । |
| CAMPŪ |                                                   |                                 |        |          |     |                                                                                                                                                                                                                                              |
| 4699  | अमोघराघवचम्पू                                     | दिवाकर कवि                      | 64     | 1,500    |     | के. P.L. 7, उल्लास.<br>सम, उ. 8, contd.<br>A few leaves bro-<br>ken. Not found in<br>C.C., nor in Ana-<br>nda kanda campū<br>1931. Old &<br>injured.                                                                                         |
| 4700  | आनन्दकन्दचम्पू<br>with व्याख्या-<br>गूढार्थदीपिका | मित्रमिश्र<br>मू. & व्या.       | 2-80   | 2,500    |     | 5, उल्लास. सम, उ. 6,<br>contd. l. 37<br>missing. Injured.                                                                                                                                                                                    |
| 4701  | उत्तरचम्पू                                        | आत्रेयवेङ्कटकवि                 | 89-99  |          |     | द्र. P.L.                                                                                                                                                                                                                                    |
| 4702  | „                                                 | „                               | 79-89  |          |     | „ „ असम.                                                                                                                                                                                                                                     |
| 4703  | „                                                 | „                               | 40     |          |     | „ „ „                                                                                                                                                                                                                                        |

| No.  | Title                              | Author or commentator | Leaves | Granthas | Age      | Remarks                                                                     |
|------|------------------------------------|-----------------------|--------|----------|----------|-----------------------------------------------------------------------------|
| 4704 | कायामहीपालचम्पू<br>or कर्णचम्पू    | काकाभट्ट              | 11     |          |          | Copy from R. A. S. Bombay. Most beautiful script. असम.                      |
| 4705 | काशीखण्डचम्पू                      |                       | 6      |          |          | Photo.                                                                      |
| 4706 | गङ्गावतरणचम्पू                     | शङ्करदीक्षित          | 46     |          |          | असम. ll. 24-25, 30, 33, 35, 62-69, 78-81, 85-90, 99-104, 110, 125, missing. |
| 4707 | चन्द्रशेखचम्पू                     | रामनाथ                | 23-135 |          |          | द. P.L. 7, अ. सम, अ. 8, contd. Fine old ms.                                 |
| 4708 | चम्पूकाव्य                         | समरपुङ्गवदीक्षित      | 116    | 1,500    |          | Text complete, व्याख्या is a different ms. उ. 1, सम, उ. 2, contd.           |
| 4709 | दमयन्तीकथा or नलचम्पू              | त्रिविक्रमभट्ट मू.    | 30     |          |          | सं. 1661                                                                    |
| 4710 | „ व्याख्या                         |                       | 129-57 |          |          | stray leaves Photo. from. I. O. द. P.L.                                     |
| 4711 | „ „                                | चण्डपाल               | 37     |          |          | „ „                                                                         |
| 4712 | „ „                                | गुणविनय गणि           | 16     |          |          | „ „                                                                         |
| 4713 | नरसिंहचम्पू                        | सूर्यदेवज्ञ           | 12     |          |          | „ „                                                                         |
| 4714 | नीलकण्ठविजयचम्पू                   | नीलकण्ठदीक्षित        | 57     | 1,200    |          | „ „                                                                         |
| 4715 | „                                  | „                     | 56     |          |          | „ „                                                                         |
| 4716 | „                                  | „                     | 81     |          |          | „ „                                                                         |
| 4717 | „                                  | „                     | 45     |          |          | „ „                                                                         |
| 4718 | „ व्याख्या                         | सुधाकर, महादेवसूरि    | 54     |          |          | Injured. ऑ. P.L. 2, आ.सम.                                                   |
| 4719 | नृसिंहचम्पू                        | केशवभट्ट              | 14     |          |          |                                                                             |
| 4720 | पारिजातापहरणचम्पू                  | शेषकृष्ण              | 33     |          |          |                                                                             |
| 4721 | बालकृष्णचम्पू with व्याख्या-मञ्जरी | जीवकवि मू.            | 70     |          | सं. 1930 | 2, स्तवक.सम. स्त. 3, contd. ऑ P.L. Injured.                                 |
| 4722 | भागवतचम्पू                         | अभिनवकालिदास          | 57     |          |          | „ „ „                                                                       |
| 4723 | „ व्याख्या रत्नावली                | अक्षयसूरि             | 107    |          |          | द. P.L.                                                                     |
| 4724 | भारतचम्पू                          | अनन्त भट्ट            | 86     |          |          | „ „                                                                         |
| 4725 | „                                  | „                     | 132    |          |          | „ „                                                                         |
| 4726 | „                                  | „                     | 120    |          |          | „ „                                                                         |

| No.  | Title                        | Author or commentator        | Leaves | Granthas | Age | Remarks                                                                                                                      |
|------|------------------------------|------------------------------|--------|----------|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 4727 | भारतचम्पू                    | अनन्तभट्ट                    | 63     |          |     | द. P.L.                                                                                                                      |
| 4728 | „                            | „                            | 82     |          |     | „ „                                                                                                                          |
| 4729 | „                            | „                            | 38-88  |          |     | „ „                                                                                                                          |
| 4730 | „ व्याख्या-सरस्वतीविलास      | नृसिंह                       | 120    | 3,000    |     | द. P.L. 6, स्त., सम.                                                                                                         |
| 4731 | भोजचम्पू or रामायणचम्पू      | भोजराज                       | 37     |          |     | द. P.L.                                                                                                                      |
| 4732 | „                            | „                            | 58     |          |     | न. ना. P.L. Much injured.                                                                                                    |
| 4733 | „                            | „                            | 70     |          |     | द. P.L.                                                                                                                      |
| 4734 | „                            | „                            | 75     |          |     | „ „                                                                                                                          |
| 4735 | „                            | „                            | 58     |          |     | „ „                                                                                                                          |
| 4736 | „                            | „                            | 60     |          |     | „ „ 5, कां.                                                                                                                  |
| 4737 | „                            | „                            | 55     |          |     | „ „ „ „                                                                                                                      |
| 4738 | „ व्याख्या-साहित्य-मञ्जूषिका | रामचन्द्र, कोण्ड पण्डितपुत्र | 119    | 4,000    |     | ऑ. P. L. 2-6, कां.                                                                                                           |
| 4739 | „ „ „                        | „                            | 18     |          |     | ऑ. P.L. कां. 5. Injured.                                                                                                     |
| 4740 | „ „ पदयोजना                  | वेङ्कटनारायण                 | 26     | 500      |     | „ P.L. कां. 2. Fine script.                                                                                                  |
| 4741 | राजसूयचम्पू                  | नारायणकवि                    | 55     |          |     | के. P.L. असम.                                                                                                                |
| 4742 | वल्लीपरिणयचम्पू              | सुब्रह्मण्य                  | 88     | 1,500    |     | द. P.L. 12, तरङ्ग. Injured                                                                                                   |
| 4743 | विश्वगुणादर्श                | वेङ्कटाचार्य                 | 40     |          |     |                                                                                                                              |
| 4744 | „                            | „                            | 55     |          |     | द. P. L.                                                                                                                     |
| 4745 | „                            | „                            | 37     |          |     | „ „                                                                                                                          |
| 4746 | „                            | „                            | 47     |          |     | „ „                                                                                                                          |
| 4747 | „                            | „                            | 55     |          |     | „ „ ll. 22-48 missing.                                                                                                       |
| 4748 | „                            | „                            | 90     |          |     | द. P. L. It is copied from a printed book of the Prabha-kar Press, Chintadri-pet, Madras as it is written on the first leaf. |
| 4749 | शङ्करचेतोविलास-चम्पू         | शङ्कर, दीक्षित बालकृष्णसूनु  | 74     |          |     | 4, आ. Some leaves are wrongly figured.                                                                                       |

| No.                          | Title                            | Author or<br>commentator | Leaves  | Gran-<br>thas | Age      | Remarks                                                                                              |
|------------------------------|----------------------------------|--------------------------|---------|---------------|----------|------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>GADYA &amp; KATHĀNIKĀ</b> |                                  |                          |         |               |          |                                                                                                      |
| 4750                         | कादम्बरी                         | भट्टवाण                  | 150     |               |          | द. P. L.                                                                                             |
| 4751                         | „ व्याख्या                       | भानुचन्द्रगणि            | 61; 26  |               |          | पूर्वभाग<br>असम. No<br>beginning,<br>no end.<br>व्याख्या, com.<br>pared with<br>the printed<br>book. |
| 4752                         | „ „ कादम्बरी-<br>प्रदेशविज्ञप्ति | सुधाकर                   | 39      | 350           |          |                                                                                                      |
| 4753                         | गीर्वाणवाङ्मञ्जरी                | दुण्डिराज                | 17      |               |          | असम. A<br>reader.                                                                                    |
| 4754                         | द्वात्रिंशत्सिंहासन<br>कथा       |                          | 14      |               |          | शारदा 18-<br>23, कथा.                                                                                |
| 4755                         | पञ्चतन्त्र                       | विष्णुशर्मा              | 33      |               |          | द. P.L. 1-3,<br>त. सम. 4-5,<br>असम. Old<br>ms.                                                       |
| 4756                         | „                                | „                        | 12      |               |          | द. P.L.<br>असम.                                                                                      |
| 4757                         | भाषाकुसुममञ्जरी                  | त्रिकालशकवि              | 6       | 80            |          | „ „ „                                                                                                |
| 4758                         | भाषामाला                         | कनकसभापति                | 47      | 1,500         |          | के. P.L.                                                                                             |
| 4759                         | भोजचरित or<br>भोजप्रबन्ध         | वल्लाल or<br>वल्लभपण्डित | 40      |               |          | द. „<br>Injured.                                                                                     |
| 4760                         | „                                | „                        | 77      |               |          | द. P.L.                                                                                              |
| 4761                         | „                                | „                        | 45      |               |          | „ „                                                                                                  |
| 4762                         | „                                | „                        | 40      |               | सं. 1876 | Pagination<br>wrong.                                                                                 |
| 4763                         | „                                | „                        | 35      |               |          | द. P. L.<br>असम.                                                                                     |
| 4764                         | „                                | „                        | 6       |               |          | „ „ „                                                                                                |
| 4765                         | „                                | „                        | 107-112 |               |          | „ „ „                                                                                                |
| 4766                         | „                                | „                        | 2-54    |               |          | Missing of<br>the last<br>leaf makes<br>the ms. In-<br>complete.                                     |

| No.  | Title           | Author or<br>commentator | Leaves | Gran-<br>thas | Age      | Remarks                             |
|------|-----------------|--------------------------|--------|---------------|----------|-------------------------------------|
| 4767 | रामकथा          | वासुदेवकवि               | 59     | 750           |          | के. P.L.                            |
| 4768 | वासवदत्ता       | सुबन्धु                  | 42     | 600           |          | द. „                                |
| 4769 | „               | „                        | 2-27   |               |          | Very old<br>ms.                     |
| 4770 | „               | „                        | 28     |               |          |                                     |
| 4771 | „               | „                        | 29     |               |          | असम. Fine<br>old ms.                |
| 4772 | „               | „                        | 12-40  |               |          | „                                   |
| 4773 | „               | „                        | 6      |               |          | द. P.L.<br>असम.                     |
| 4774 | „ व्याख्या      | जगद्धर                   | 32     |               |          | असम ll. 4-<br>9 missing             |
| 4775 | वेतालपञ्चविंशति | शिवदास                   | 40     |               |          |                                     |
| 4776 | „               | „                        | 23     |               | सं. 1725 |                                     |
| 4777 | „               | ( „ )                    | 16     |               | सं. 1865 |                                     |
| 4778 | „               | „                        | 59     |               |          | असम. ll. 1,<br>3, 5, 13<br>missing. |
| 4779 | संस्कृतमञ्जरी   | अनन्त                    | 4      |               |          |                                     |
| 4780 | „               | „                        | 4      |               |          | असम.                                |
| 4781 | हितोपदेश        | नारायण                   | 111    |               |          |                                     |
| 4782 | „ (मित्रलाभ)    | „                        | 31     |               | सं. 1905 |                                     |
| 4783 | „ (सुहृद्भेद)   | „                        | 32     |               |          |                                     |
| 4784 | „ (विग्रह)      | „                        | 18     |               | सं. 1901 |                                     |

| No. | Title | Author or<br>commentator | Leaves | Gran-<br>thas | Age | Remarks |
|-----|-------|--------------------------|--------|---------------|-----|---------|
|-----|-------|--------------------------|--------|---------------|-----|---------|

## SŪCĪPATRA

|      |                            |  |    |  |  |                                          |
|------|----------------------------|--|----|--|--|------------------------------------------|
| 4785 | कवीन्द्राचार्य<br>सूचीपत्र |  |    |  |  |                                          |
| 4786 | सूचीपत्र                   |  | 22 |  |  | के.P.L. In<br>a Nam-<br>budari<br>house. |

26. NĪTĪ  
27. NĀTAKA

| No.  | Title                                      | Author or commentator | Leaves           | Granthas | Age      | Remarks                                                                                                                                            |
|------|--------------------------------------------|-----------------------|------------------|----------|----------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 4787 | अभिलषितार्थ-<br>चिन्तामणि or<br>मानसोल्लास | सोमेश्वरदेव           | 231              | 5,500    |          | के. P.L. Old<br>ms. Vol. 1.<br>Printed in<br>Mysore.                                                                                               |
| 4788 | "                                          | "                     | 409              |          |          | 5, प्रक.                                                                                                                                           |
| 4789 | कामन्दकीयनीतिशास्त्र-<br>व्याख्या-नयप्रकाश | "                     | 74               | 2,500    |          | द्र. P.L.<br>9, अ.                                                                                                                                 |
| 4790 | चाणक्यनीति                                 |                       | 16               | 273      |          |                                                                                                                                                    |
| 4791 | "                                          |                       | 20               | 277      |          |                                                                                                                                                    |
| 4792 | चाणक्यनीतिशास्त्र                          |                       | 55               |          | सं. 1770 | 8, अ.                                                                                                                                              |
| 4793 | चाणक्यसूत्र                                |                       | 8                |          |          | द्र. P.L. 500,<br>सू. Much<br>पाठभेद and<br>changes.<br>के. P.L. असम.                                                                              |
| 4794 | "                                          |                       | 9                |          |          |                                                                                                                                                    |
| 4795 | धौम्यनीति<br>(महाभारत)                     |                       | 4                | 52       |          |                                                                                                                                                    |
| 4796 | नीतिद्विषष्टिका                            | सुन्दरपाण्डेय         | 5                |          |          | के. P. L.                                                                                                                                          |
| 4797 | "                                          | "                     | 8                |          |          | द्र. P. L.                                                                                                                                         |
| 4798 | नीतिश्लोक                                  | "                     | 1                | 25       |          | " " Old ms.                                                                                                                                        |
| 4799 | नीतिसमुच्चय                                | चाणक्य                | 2                | 70       |          | के. P.L.                                                                                                                                           |
| 4800 | राजनीतिसमुच्चय                             | "                     | 124              |          |          | 8, अ.                                                                                                                                              |
| 4801 | लघुचाणक्यशास्त्र<br>with हिन्दीपद्य        | "                     | 32               |          |          | 13, अ. सम.<br>अ. 14, contd.<br>Some colo-<br>phons read<br>बृद्धचाणक्य<br>instead of<br>लघुचाणक्य.<br>द्र. P. L 4, अ.<br>2, अ. सम. अ.<br>3, contd. |
| 4802 | बृद्धचाणक्यनीति                            |                       | 5                | 200      |          |                                                                                                                                                    |
| 4803 | "                                          |                       | 3                |          |          |                                                                                                                                                    |
| 4804 | शार्ङ्गधरपद्धति                            | शार्ङ्गधर             | 315              |          | सं. 1788 |                                                                                                                                                    |
| 4805 | "                                          | "                     | 207              |          | सं. 1868 |                                                                                                                                                    |
| 4806 | "                                          | "                     | 13-202           |          | सं. 1817 |                                                                                                                                                    |
| 4807 | "                                          | "                     | 1-38;<br>215-231 |          |          | असम. From<br>p. 215, ms.<br>differs.                                                                                                               |
| 4808 | "                                          | "                     | 86-235           |          |          | असम.                                                                                                                                               |
| 4809 | "                                          | "                     | 81-214           |          |          | " ll. 162-<br>163, 193<br>missing.                                                                                                                 |
| 4810 | सदाचार                                     | लक्ष्मीनारायण         | 3                | 24       |          |                                                                                                                                                    |

| No.    | Title                      | Author or commentator               | Leaves | Granthas | Age      | Remarks                               |
|--------|----------------------------|-------------------------------------|--------|----------|----------|---------------------------------------|
| NĀTAKA |                            |                                     |        |          |          |                                       |
| 4811   | अद्भुतदर्पण                | महादेव                              | 51     |          |          | द्र. P. L.<br>Injured.                |
| 4812   | अनङ्गतिलकभाण               | रङ्गनाथसूरि                         | 16-34  | 500      |          | आं P.L.                               |
| 4813   | अनर्घराघव                  | सुरारि                              | 85     |          |          | द्र. P.L.                             |
| 4814   | "                          | "                                   | 7-65   |          |          | Very old ms                           |
| 4815   | "                          | "                                   | 72     |          |          | द्र. P.L.                             |
| 4816   | "                          | "                                   | 69     |          |          | " " Old ms                            |
| 4817   | "                          | "                                   | 52     |          |          | " " 5, अं.                            |
| 4818   | "                          | "                                   | 56-95  |          |          | " " " " Injured.                      |
| 4819   | "                          | "                                   | 44-51  |          |          | के. P.L. 3-4.<br>अं.                  |
| 4820   | "                          | "                                   | 12     |          |          | असम.                                  |
| 4821   | " व्याख्या                 | हरिहर,<br>अप्पयशिर्य                | 148    | 3750     |          | द्र. P.L.<br>Injured.                 |
| 4822   | " "                        | "                                   | 71     |          |          | द्र. P. L.                            |
| 4823   | " "                        | "                                   | 69     |          |          | 1-2, अं.                              |
| 4824   | " "                        | "                                   | 19     | 400      |          | द्र. P.L.<br>अं. 7.                   |
| 4825   | " "                        | रुचिपति<br>महोपाध्याय               | 99     |          |          | ll. 11, 12,<br>61 missing.            |
| 4826   | " " इष्टार्थ-<br>कल्पवल्ली | रामानन्दाश्रमी                      | 155    | 4,300    |          | द्र. P. L.<br>1-5, अं.                |
| 4827   | " " "                      | "                                   | 127    | 3,000    |          | " " 1-3 &<br>middle por-<br>tion.     |
| 4828   | " " "                      | "                                   | 143    | 2,000    |          | द्र. P.L. 3-5,<br>& 6-7, by<br>हरिहर. |
| 4829   | " " "                      | "                                   | 120    |          |          | द्र. P.L. 4,<br>6, अं.                |
| 4830   | " "                        | कृष्ण,<br>वरदराजपुत्र               | 95     |          |          | के " 1-5 अं.<br>सम, अं, 6<br>contd.   |
| 4831   | " " पञ्चिका                | विष्णुसूरि, मुक्ति-<br>नाथसूरिपुत्र | 48     | 2,500    |          | के. P.L.                              |
| 4832   | " " यशो-<br>दर्पणिका       | धनेश्वर                             | 172    | 4,000    | सं. 1619 |                                       |
| 4833   | अभिज्ञानशाकुन्तल           | कालिदास                             | 74     |          |          | Last few<br>leaves<br>missing.        |
| 4834   | "                          | "                                   | 31     |          |          | आं. P.L.                              |